मेक इन इंडिया एवं
मार्गदर्शन में देश अ
और गति देते हुए प्र
वंदे भारत एक्सप्रेस

सड़क सुरक्षा की चुनौतियों पर मंथन

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

देहरादून।

वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखंड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में 'हिमालयी राज्य में सड़क अवसंरचना एक चुनौती' विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

शनिवार को इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स उत्तराखण्ड स्टेट सेन्टर के सहयोग से आयोजित कार्यशाला में हिमालयी क्षेत्र में सड़क सुरक्षा की मूल चुनौतियां, सड़कों व राजमार्गों का इतिहास, लचीले फुटपाथों का निर्माण समेत अनेक बिन्दुओं पर चर्चा हुई। बतौर स्पीकर आईआईटी रुड़की के प्रो. इन्द्रजीत घोष ने कहा कि पर्वतीय क्षेत्रों में सड़क सुरक्षा को लेकर समाज में जागरूकता लानी होगी। यातायात के नियमों का उल्लंघन, ट्रैफिक नियमावली की जानकारी का अभाव, डायरेक्शन बोर्ड, साइन बोर्ड व क्रॉस बैरियर नहीं होना, ओवर स्पीड सड़क दुर्घटनाओं के

यूटीयू में कार्यशाला आयोजित

मुख्य कारण है। इंस्टीट्यशून ऑफ इंजीनियर्स उत्तराखण्ड स्टेट सेन्टर के चेयरमेन नरेन्द्र कुमार यादव ने कहा कि राष्ट्र, शहर, कस्बा और गांवों की प्रगति के लिए अच्छी गुणवत्ता की सड़को का निर्माण होना जरूरी है। यूटीयू कुलपति प्रो. ओंकार सिंह ने कहा कि उत्तराखण्ड में गुणवत्ता को दृष्टिगत रखते हुए सड़कों के निर्माण पर ध्यान देने की आवश्यकता है।

कार्यशाला में लोनिवि के सेवानिवृत्त विभागाध्यक्ष एचके उप्रेती, डा. प्रशांत अग्रवाल, महिला प्रौद्योधिकी संस्थान के निदेशक डा. मनोज कुमार पाण्डा सभी विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम का संचालन डा. स्वाति सिंह राजपूत ने किया। कार्यशाला में कुलसिचव डा. सत्येन्द्र सिंह, परीक्षा नियंत्रक विनय कुमार पटेल समेत सिविल इंजीनियरिंग के छात्र व शिक्षक मौजूद थे।

डा. बगवाड़ी को बेस्ट रिसर्चर का अवॉर्ड

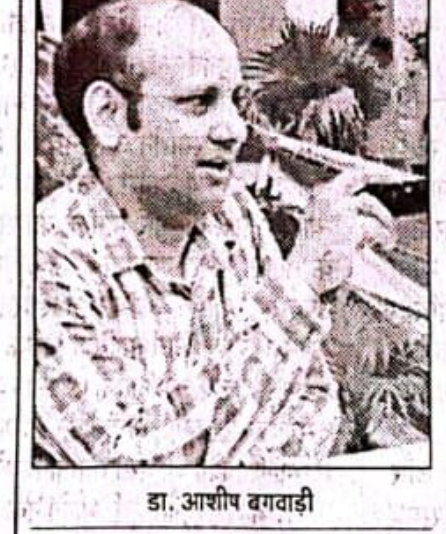

डा. आशीष बगवाड़ी

देहरादून (एसएनबी)। उत्तराखंड तकनीकी विश्वविद्यालय द्वारा स्थापित बेस्ट टीचर अवार्ड एवं बेस्ट रिसर्चर अवार्ड विजेताओं के नाम तय हो गये है। अवार्ड के लिए प्राप्त आवेदनों की जांच के बाद संस्तुत नामों का कुलपति प्रो. ओंकार सिंह ने अनुमोदन कर दिया है। इसके तहत 2024 में बेस्ट रिसर्चर का अवार्ड महिला प्रौद्योगिकी संस्थान में इलेक्ट्रानिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरंग के डा. आशीष बगवाड़ी को दिया जाएगा। इसके अलावा बेस्ट टीचर का अवार्ड जीबी पंत इंजीनियरिंग एंड टैक्नोलाजी में असिस्टेंट प्रोफेसर डा. जितेन्द्र सिंह रौथान व बीटी कुमाऊं इंस्टीट्यूट आफ टैक्नोलाजी में असिस्टेंट प्रोफेसर डा. रचना आर्य को दिया जाएगा। उक्त अवार्ड पांच सितम्बर को शिक्षक दिवस के मौके पर आयोजित समारोह में तकनीकी शिक्षा मंत्री द्वारा प्रदान किया जाएगा।

विद्यार्थियों में मानवीय मूल्यों के विकास पर जोर

देहरादून (एसएनबी)। पीएम श्र
केंद्रीय विद्यालय आईएमए में फाउंडेशन
आफ सिटिजनशिप प्रोग्राम की कार्यशाल
का आयोजन किया गया। कार्यशाला क
शुभारंभ बतौर मुख्य अतिथि केवीए
देहरादून संभाग की उपायुक्त डा. सुकृ
रैवानी, सहायक उपायुक्त ललित मोह
बिष्ट, प्राचार्य माम चन्द, उपप्राचार्य रमे
चन्द, रूचिता पुंज, अरनव घोष ने किय
मुख्य अतिथि उपायुक्त डा.सुकृति रैवानी
नैतिक मूल्यों के महत्व पर प्रकाश डाल
उन्होंने कहा कि एक स्वस्थ राष्ट्र के निर्म
के लिए विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों
विकास अत्यंत आवश्यक है। प्राचार्य म
चन्द कार्यशाला से प्रशिक्षण प्राप्त